PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 7 3 1 1

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

संस्कृत परम्परागत विषय:
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम् – III

प्रश्नपत्र – III

PAPER – III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य **शतद्वयम्** (200) अङ्का: सन्ति, एवम् अस्मिन् **चत्वारि** खण्डानि सन्ति । अभ्यर्थिभि: एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहितविस्तृतनिर्देशानुसारं देयम् ।

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

खण्डम् – I
खण्ड – I
SECTION – I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **विंशत्यङ्कात्मकौ** निबन्धश्रेणीकौ प्रश्नौ स्त:, ययो: उत्तरं प्राय: **पञ्चशतमितै**: (500) शब्दैरपेक्ष्यते । **(2 × 20 = 40 अङ्का**:)

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** (20) अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

Note : This section consists **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

1. संस्कृतभाषया **कमप्येकं** विषयमधिकृत्य निबन्धो लेखनीय:
   (क) भ्रष्टाचार:
   (ख) पर्यावरणचेतना
   (ग) वाग्भूषणं भूषणम्

2. संस्कृतभाषया **कमप्येकं** विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीय:

(क) स्त्रीस्वातन्त्र्यम्

(ख) मानवाधिकार:

(ग) दिव्या गीर्वाणभारती

खण्डम् – II
खण्ड – II
SECTION – II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकवर्ग: / विशेषज्ञतानुसारं **त्रय**: (3) प्रश्ना: सन्ति । अभ्यर्थिना केवलमेकमेव ऐच्छिकवर्गं / विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव त्रय: प्रश्ना: समाधेया: । प्रत्येकं प्रश्न: **पञ्चदशाङ्कात्मक**: (15) अस्ति । तदुत्तरं प्राय: **शतत्रयशब्दै**: (300) अपेक्ष्यते । **(3 × 15 = 45 अङ्का:)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

I. **फलितज्योतिषम्**

3. ग्रहाणां नीचोच्च - मूलत्रिकोणराशय: विवेचनीया: ।

   ग्रहों के नीच-उच्च एवं मूलत्रिकोण राशियों का विवेचन कीजिये ।

   Discuss the नीच-उच्च and मूलत्रिकोण राशियोंs of planets.

4. समीक्ष्यताम्

   समीक्षा कीजिये ।

   Critically examine

   "पूर्वमायु: परीक्षेत"

5. ग्रहाणां नैसर्गिकी मैत्री वर्णनीया ।

ग्रहों की नैसर्गिक मैत्री का विवेचन कीजिये ।

Discuss the नैसर्गिकमैत्री of planets.

II. **सिद्धान्तज्यौतिषम्**

3. 'नवविधकालमानानि' विविच्यताम् ।

नवविधकालमान की विवेचना कीजिये ।

Explain the नवविधकालमान ।

4. सर्वासु पूर्णासु चन्द्रग्रहणं न जायतेऽत्र को हेतु: ?

सभी पूर्णिमा में चन्द्रग्रहण नहीं होता है, यहाँ क्या हेतु है ?

'सर्वासु पूर्णासु चन्द्रग्रहणं न जायतेऽत्र को हेतु: ' Explain.

5. व्याख्यायताम्

व्याख्या कीजिये ।

Explain

"वेदाब्ध्यब्ध्यून: खरसहृतो शकोऽयनांशा:"

III. **व्याकरणम्**

3. स्फोटस्य ध्वने: च भेदं विशदयत ।

स्फोट और ध्वनि का भेद स्पष्ट कीजिए ।

Clearly distinguish between the स्फोट and ध्वनि.

4. व्याकरणशास्त्ररीत्या शाब्दबोधप्रकारं निरूपयत ।

व्याकरणशास्त्ररीत्या शाब्दबोधप्रकार का निरूपण कीजिए ।

Determine the शाब्दबोध according to Vyakaraṇa Śāstra.

5. टिप्पणी लिखत: (1) तधितप्रत्यया: (2) कृत्यप्रत्यया: ।

टिप्पणी लिखिए : (1) तधितप्रत्यया: (2) कृत्यप्रत्यया: ।

Write notes on : (1) तधितप्रत्यया: (2) कृत्यप्रत्यया: ।

IV. **मीमांसा**

3. अधिकारविधिलक्षणं सोदाहरणं विवेचयत ।
अधिकारविधि का लक्षण क्या है ? सोदाहरण चर्चा कीजिए ।
Discuss the definition of अधिकारविधि with appropriate examples.

4. अन्विताभिधान-वादिन: के ? अन्विताभिधानवादं सोदाहरणं स्पष्टीकुरुत ।
अन्विताभिधानवाद के पुरस्कर्ता कौन हैं ? अन्विताभिधानवाद की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।
Who accepted अन्विताभिधानवाद ? Discuss अन्विताभिधानवाद with examples.

5. अर्थवादस्वरूपं कीदृशम् ? सोदाहरणं विवृणुत । अर्थवादप्रामाण्ये युक्ति: का ?
अर्थवाद के स्वरूप का सोदाहरण विवेचन कीजिए । अर्थवादों के प्रामाण्य का आधार क्या है ?
Explain the nature of अर्थवादs with examples. What is the ground to accept अर्थवादs as authoritative ?

V. **नव्यन्याय**:

3. ईश्वरस्य अस्तित्वे किं प्रमाणमस्ति ? स्पष्टं विवृणुत ।
ईश्वर के अस्तित्व के लिए क्या प्रमाण है ? स्पष्ट रूप से आलोचना कीजिए ।
What is the proof of existence of God ? Explain fully.

4. 'अभावस्तु द्विधा'..... सोदाहरणं स्पष्टीकुरुत ।
'अभावस्तु द्विधा'..... सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
'अभावस्तु द्विधा'..... Explain with examples.

5. 'पदार्था: सप्त कीर्तिता:' – Explain.
विशद कीजिए - पदार्था: सप्त कीर्तिता: ।
Explain fully : पदार्था: सप्त कीर्तिता: ।

VI. **सांख्ययोगौ**

3. सांख्याभिमतं प्रधानकारणवादं विवृणुत ।
सांख्याभिमत प्रधानकारणवाद का विवरण कीजिए ।
Explain the प्रधानकारणवाद accepted by the Sāṅkhyas.

4. योगसूत्रदिशा अष्टाङ्गयोगं विवृणुत ।
योगसूत्र के अनुसार अष्टाङ्गयोग का विवरण कीजिए ।
Explain अष्टाङ्गयोग in accordance with Yogasūtra.

5. जन्मजादिसिद्धी: विवृणुत ।
जन्मज आदि सिद्धि का विवरण कीजिए ।
Explain the सिद्धिs by birth etc.

VII. **तुलनात्मकदर्शनम्**

3. स्याद्वादैकान्तवादयो: तुलनां कुरुत ।
स्याद्वाद और एकान्तवाद की तुलना कीजिए ।
Attempt a contrast of स्याद्वाद and एकान्तवाद.

4. शून्यवादक्षणभङ्गवादयो: तुलनां कुरुत ।
शून्यवाद और क्षणभङ्गवाद की तुलना कीजिए ।
Attempt a contrast of शून्यवाद and क्षणभङ्गवाद.

5. भौतिकवादमानवतावादयो: तुलनां कुरुत ।
भौतिकवाद और मानवतावाद की तुलना कीजिए ।
Attempt a contrast of भौतिकवाद and मानवतावाद.

VIII. **शुक्ल-यजुर्वेद**

3. शुक्ल यजुर्वेदानुसारं सामाजिक-अवधारणां निरूपयत ।
शुक्ल यजुर्वेद के अनुसार सामाजिक अवधारणा का निरूपण कीजिए ।
Elucidate the concept of Social System according to Shukla Yajurveda.

4. शतपथ-ब्राह्मणस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत ।
शतपथ ब्राह्मण के वैशिष्ट्य को प्रतिपादित कीजिए ।
State the characteristics of Śatpatha Brahman.

5. वेदभाष्यक्षेत्रे आधुनिक-युगे महर्षिदयानन्द सरस्वते: योगदानं विमृशत ।
वेदभाष्य के क्षेत्र में आधुनिक युग में महर्षि दयानन्द सरस्वती के योगदान की समीक्षा कीजिए ।
Determine the contribution of Maharshi Dayanand Saraswati in the modern period in वेदभाष्य.

IX. **माध्ववेदान्त**:

3. द्वैतमतानुसारेण वेदापौरुषेयत्वसमर्थनं निरूपयत ।
द्वैतमतानुसार वेदों के अपौरुषेयत्व का निरूपण कीजिये ।
Elucidate the theory of non-human composition of the Vedas according Dvaita school.

4. माध्वग्रन्थेषु दर्शितरीत्या जगत: सत्यत्वं साधयत ।
माध्वग्रन्थों के अनुसार जगत्सत्यत्व का निरूपण कीजिए ।
Establish the theory of जगत्सत्यत्व as explained in the माध्वग्रन्थों.

5. पञ्चविधभेदस्य स्वरूपं विवेचयत ।
पञ्चविधभेद का विवेचन कीजिए ।
Explain the nature of five-fold difference.

X. **धर्मशास्त्रम्**

3. प्रायश्चित्तै: पापक्षयो भवति न वा इति विवेचयत ।
प्रायश्चित्तों के द्वारा पाप का क्षय होता है कि नहीं विचार करें ।
Discuss whether पापक्षय can result from प्रायश्चित्त.

4. पार्वणश्राद्धविधिं लिखत ।
पार्वणश्राद्धविधि का विवरण कीजिए ।
Write down the rule for पार्वणश्राद्धविधि.

5. अप्रजपुंधनविभागक्रमं विमृशत ।
अप्रजपुंधनविभागक्रम का विचार कीजिए ।
Elaborate upon अप्रजपुंधनविभागक्रम.

XI. **साहित्यम्**

3. मम्मटोक्तदिशा काव्यप्रयोजनानि विवृणुत ।
मम्मट के मतानुसार काव्यप्रयोजनों का विवरण दीजिए ।
Explain 'काव्यप्रयोजन's according to Mammata.

4. औचित्यवादं प्रतिपादयत ।
औचित्यवाद का प्रतिपादन कीजिए ।
Establish औचित्यवाद.

5. ध्वनिभेदान् प्रदर्शयत ।
ध्वनिभेदों का प्रदर्शन कीजिए ।
Show different types of ध्वनि.

XII. **पुराणेतिहासौ**

3. इतिहासपुराणयोर्भेदं निरूपयत ।

इतिहास और पुराणों में क्या भेद है ? निरूपण करें ।

Bring out the distinction between इतिहास and पुराण.

4. शान्तिपर्वोक्तदिशा राजधर्मान् विमृशत ।

शान्तिपर्व के अनुसार राजधर्म का विवेचन कीजिये ।

Describe राजधर्म according to शान्तिपर्व.

5. संन्यासिनां कर्तव्यानि प्रतिपादयत.

संन्यासी के कर्त्तव्यों का प्रतिपादन कीजिए ।

Describe the duties of संन्यासीs.

XIII. **आगम**:

3. कौलाचारं विशदयत ।

कौलाचार का विशद विवेचन करें ।

Describe the कौलाचार in details.

4. मकार पञ्चकं निरूप्यताम् ।

मकार पञ्चक का निरूपण करें ।

Write a detailed note on मकार पञ्चक.

5. आगमशास्त्रस्य परम्परां वर्णयत ।

आगमशास्त्र की परम्परा का वर्णन करें ।

Describe the परम्परा of आगमशास्त्र.

XIV. **अद्वैतवेदान्त**:

3. अद्वैतमतेन जीवन्मुक्तिलक्षणानि विवृणुत ।

अद्वैतमतानुसार जीवन्मुक्त लक्षणों का विवरण कीजिए ।

Explain the features of जीवन्मुक्त according to the Advaita view.

4. अद्वैतमतमनुसृत्य जगन्मिश्यात्वं सप्रमाणं समर्थयता ।
अद्वैतमतानुसार जगन्मिथ्या का निरूपण सप्रमाण कीजिए ।
Justify the concept of जगन्मिथ्या with valid proofs according to Advaita.

5. शाङ्करमतेन तत्त्वमसीति वाक्यस्य तात्पर्यं प्रतिपादयत ।
शाङ्करमतानुसार 'तत्त्वमसि' इस श्रुतिवाक्य का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए ।
Explain the purport of the scriptural text 'तत्त्वमसि' according to Śaṅkara.

खण्डम्– III

खण्ड – III

SECTION – III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे **दशाङ्कात्मका**: (10) **नव** (9) प्रश्ना: सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्य उत्तरं प्राय: **पञ्चाशत्** (50) शब्दैरपेक्ष्यते । **(9 × 10 = 90 अङ्का)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

6. नक्षत्रनामानि विलिख्य द्वादशराशिपरिचयोऽपि लेखनीय:

   नक्षत्रों के नाम लिखकर द्वादश राशियों का परिचय दीजिये ।

   Write the नक्षत्रs and explain the द्वादश राशीs.

7. सूर्यग्रहणं संक्षेपेण विवेचयत ।
सूर्यग्रहण की संक्षिप्त विवेचना कीजिये ।
Write the short note on सूर्यग्रहण.

8. अधिकरणकारकं ससूत्रं सोदाहरणं विशदयत ।
ससूत्र सोदाहरण अधिकरणकारक का विवरण कीजिए ।
Explain the अधिकरणकारक with relevant rules and illustration.

9. राज्ञः षड्गुणान् विवृणुत ।
राजा के षड्गुणों की आलोचना कीजिए ।
Write a detailed note on the षड्गुणs of a King.

10. सांख्यभिमतं मोक्षं विचारयत ।
सांख्याभिमत मोक्ष का विचार कीजिए ।
Explain मोक्ष according to the Sāṅkhya.

11. योगदर्शनानुसारेण समाधिं विवृणुत ।
योगदर्शन के अनुसार समाधि का विवरण कीजिए ।
Explain समाधि in accordance with Yogadarśana.

12. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' – विमृशत ।
'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' – विमर्श कीजिए ।
'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' – Examine critically.

13. माध्वमतानुसारेण वेदानां स्वत: प्रामाण्यं साधयत ।
माध्वमतानुसार वेदों का स्वत: प्रामाण्य को सिद्ध कीजिए ।
Justify the self-validity of the Vedas according to Mādhva Vedānta.

14. वैष्णवागमस्य सामान्यपरिचयं लिखत ।
वैष्णवागम का सामान्य परिचय लिखिए ।
Give an account of general characteristics of वैष्णवागम.

खण्डम् – IV

खण्ड – IV

SECTION – IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निम्नाङ्कितानुच्छेदमाश्रित्य **पञ्च** (5) प्रश्ना: सन्ति । प्रत्येकं प्रश्नस्योत्तरं प्राय: **त्रिंशत्** (30) शब्दैरपेक्ष्यते । प्रत्येकं प्रश्न: **पञ्चाङ्क**: अस्ति । **(5 × 5 = 25 अङ्का:)**

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.
(5 × 5 = 25 marks)

कस्मिंश्चित् नगरे कश्चिद् ब्राह्मण: स्वभावकृपणो नाम प्रतिवसति स्म । तेन भिक्षार्जिते सक्तुभि: भुक्तशेषै: कलश: सम्पूरित: । तं च घटं नागदन्ते अवलम्ब्य तस्य अधस्तात् खट्वां निधाय सततमेकदृष्ट्या तमवलोकयति । अथ कदाचित् रात्रौ सुप्त: चिन्तयामास यत् – 'परिपूर्णोऽयं घटस्तावत् सक्तुभि: वर्तते । तत् यदि दुर्भिक्षं भवति, तदा अनेन रूप्यकाणां शतमुत्पद्यते, ततस्तेन मया अजाद्वयं ग्रहीतव्यम् । तत: षाण्मासिकप्रसववशात् ताभ्यां यूथं भविष्यति । ततोऽजाभि: प्रभूता गा: ग्रहीष्यामि, गोभि:महिषी:, महिषीभि: वडवा: वडवाप्रसवत: प्रभूता अश्वा: भविष्यन्ति, तेषां विक्रियात् प्रभूतं सुवर्णं भविष्यति । सुवर्णेन चतु:शालं गृहं सम्पद्यते, तत: कश्चित् ब्राह्मण: मम गृहमागत्य प्राप्तवयस्कां रूपाढ्यां कन्यां दास्यति, तत्सकाशात् पुत्रो मे भविष्यति, तस्याहं सोमशर्मेति नाम करिष्यामि । तत: तस्मिन् जानुचलनयोग्ये सञ्जातेऽहं पुस्तकं गृहीत्वा अश्वशालाया: पृष्ठदेशे उपविष्ट: तदवधारयिष्यामि । अत्रान्तरे सोमशर्मा मां दृष्ट्वा जनन्युत्संगात् जानुप्रचलनपर: अश्वखुरासन्नवर्ती मत्समीपमागमिष्यति । ततोऽहं ब्राह्मणीं कोपाविष्टोऽभिधास्यामि – 'गृहाण तावत् बालकम्' ।

सापि गृहकर्मव्यग्रतया अस्मद्वचनं न श्रोष्यति, ततोऽहं समुत्थाय तां पादप्रहारेण ताडयिष्यामि' । एवं तेन ध्यानस्थितेन तया एव पादप्रहारो दत्त: । स घटो भग्न:, सक्तुभि: पाण्डुरतां गत: । अत एव इदमुक्तम् 'अनागतवतीं असम्भाव्यां चिन्तां य: करोति स: परं दु:खमनुभवति ।'

15. स्वभावकृपण: केन कलशं पूरयति स्म ?

16. सुप्त: स्वभावकृपण: किं चिन्तयामास ?

17. स्वभावकृपण: ब्राह्मणीं प्रति कुत: कोपाविष्टोऽभवत् ।

18. 'ब्राह्मणीं ताडयिष्यामि' इति चिन्तयत:
स्वभावकृपणस्य किमभवत् ?

19. अस्या: कथाया: तात्पर्यं किम् ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....